॥ ॐ दुर्गायै नमः ॥

नवरात्रि पूजा विधि — स्टेप बाय स्टेप

घटस्थापना से विसर्जन • घर की सरल विधि • PDF 2026

VH Original · vhoriginal.com

शारदीय नवरात्रि 2026: घटस्थापना 11 अक्टूबर, दशहरा 20 अक्टूबर — शहर का पंचांग अंतिम है। यह घर की सरल विधि है, किसी मठ की गोपनीय पद्धति नहीं।

1. घटस्थापना — पहला दिन

1. स्नान, स्वच्छ कपड़े, मंदिर की सफाई।
2. कलश में जल, अक्षत, सिक्का। मुख पर आम पल्लव, ऊपर नारियल, मौली बाँधें।
3. कलश पर हल्दी-रोली से स्वस्तिक।
4. माँ की मूर्ति या तस्वीर स्थिर आसन पर रखें।
5. जहाँ रीत हो, मिट्टी में जौ बोएँ, हल्का जल दें।
6. संकल्प: नौ दिन सरल पूजा और संयम का वचन।
7. दीया जलाएँ। अखंड ज्योत रखते हैं तो घी-बाती सुरक्षित जगह।

2. रोज़ की पूजा — नौ दिन

1. सुबह स्नान के बाद माँ के सामने बैठें।
2. आसन, तिलक, अक्षत, फूल चढ़ाएँ।
3. जल या पंचामृत से संक्षिप्त अभिषेक — घर की रीत अनुसार।
4. धूप-दीप, नैवेद्य (फल या मिठाई)।
5. चालीसा या कथा पढ़ सकते हैं। समय कम हो तो माँ का नाम स्मरण काफी।
6. संध्या आरती — जय अम्बे गौरी या जगदम्बे काली।
7. प्रसाद परिवार में बाँटें। जौ को रोज़ हल्का जल।

3. अष्टमी–नवमी

1. पंचांग से दुर्गाष्टमी और महानवमी की तिथि देखें।
2. कन्या पूजन / कंजक उसी दिन — हलवा-पूरी-चना, आदर से बिठाएँ।
3. कई घर अष्टमी को विशेष व्रत रखते हैं, नवमी को पारण। रीत पूछ लें।

4. विसर्जन / दशहरा

1. अंतिम दिन आरती के बाद कलश का जल पेड़ या गमले में दें।
2. जौ का हरा अंकुर काटकर परिवार में तिलक करें — जहाँ रीत हो।
3. मूर्ति नदी में तभी विसर्जित करें जब स्थानीय नियम अनुमति दें। घर की तस्वीर न फेंकें।

5. छोटे नियम

सात्विक भोजन जहाँ व्रत हो। अखंड ज्योत को रात अकेला न छोड़ें। गर्भवती, बीमार, बच्चे व्रत अपने शरीर के हिसाब से रखें — यह आस्था है, डॉक्टर की जगह नहीं।

यह विधि हिंदू लोक-परंपरा और घरों में प्रचलित पूजा पर आधारित है। पंडित जी या कुल-रीत चरण जोड़-घटा सकते हैं। तिथि पंचांग से बदल सकती है। यह आस्था का पाठ है — चिकित्सा, कानूनी सलाह या फल की गारंटी नहीं। वेबसाइट इसके उपयोग से होने वाले लाभ-हानि की जिम्मेदारी नहीं लेती।